

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर निर्मित

पाठ्यक्रम

आचार्य द्वितीय सत्रार्थ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

[संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित]

जनकपुरी नई दिल्ली

व्याकरणम्
पत्र संख्या - DSCC - 20
पाठ्यक्रम विवरणम् -
वैयाकरणभूषणसारस्य
नामार्थ-समासशक्ति-शक्ति-त्वाद्यर्थविचारः।

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* नामार्थविचारः।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* समासशक्तिविचारः।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* शक्तिविचारः।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* त्वादिभावार्थप्रभृतिक्त्वाद्यर्थपर्यन्तो विचारः।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - वैयाकरणभूषणसारः

व्याकरणम्

पत्र संख्या - DSCC - 21

पाठ्यक्रम विवरणम् -

परिभाषेन्दुशेखरस्य अवशिष्टांशः,

वाक्यपदीयब्रह्मकाण्डस्य च अवशिष्टांशः।

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* 'प्रातिपदिकग्रहण' इत्यारभ्य 'सन्निपात' इति परिभाषान्तः।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* 'द्वावुपादानशब्देन' इत्यारभ्य 'स्फोटरूपाविभागेन' इति कारिकान्तम्।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* 'यथानुवाकः श्लोको वे' त्यारभ्य 'शब्देष्वेवाश्रिता शक्तिः' इति कारिकान्तम्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* 'षड्जादिभेदेन' इत्यतः 'उभयेषामविच्छेदात्' इति कारिकान्तम्।

=====
पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - परिभाषेन्दुशेखरः, वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डम्)

व्याकरणम्

पत्र संख्या - DSCC - 22

पाठ्यक्रम विवरणम् -

लघुशब्देन्दुशेखरस्य अच्-हल्-विसर्ग-स्वादिसन्धिविचारः

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* 'एकः पूर्वपरयोः' इत्यारभ्य 'इन्द्रे च' इति सूत्रव्याख्यान्तः

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* प्रकृतिभावसन्धिविचारः ।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* हल्सन्धिविचारः ।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* विसर्ग-स्वादिसन्धिविचारः ।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - लघुशब्देन्दुशेखरः

व्याकरणम्

पत्र संख्या - DSCC - 23

पाठ्यक्रम विवरणम् -

परमलघुमञ्जूषाया आदितः

निपातार्थप्रकरणं यावत्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* आदितः शक्तिनिरूपणान्तम्।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* लक्षणा-व्यञ्जना-स्फोट-शाब्दबोधसहकारिकारणविचारान्तः।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* धात्वर्थप्रकरणम् ।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* निपातार्थप्रकरणम् ।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - वैयाकरणसिद्धान्तपरमलघुमञ्जूषा

सिद्धान्तज्योतिषम्
पत्र संख्या - DSCC - 20
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. गणिताध्याये ग्रहच्छायाधिकारः

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

2. गोलाध्याये दृक्कर्मवासना

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

3. गणिताध्याये उदयास्ताधिकारः शृङ्गोन्नत्याधिकारश्च

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

4. गोलाध्याये शृङ्गोन्नतिवासना

=====

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - सिद्धान्तशिरोमणिः

सिद्धान्तज्योतिषम्
पत्र संख्या - DSCC - 21
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. गणिताध्याये ग्रहयुतिः भग्रहयुतिश्च

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

2. गोलाध्याये यन्त्राध्यायः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

3. गणिताध्याये पाताधिकारः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

4. गोलाध्याये ऋतुवर्णनात् ज्योत्पत्तिपर्यन्तम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - आधारग्रन्थः- सिद्धान्तशिरोमणिः

सिद्धान्तज्योतिषम्
पत्र संख्या - DSCC - 22
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. पञ्चताराधिकारः

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

2. पञ्चताराधिकारस्य प्रायोगिकमध्ययनम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

3. त्रिप्रश्नाधिकारः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

4. त्रिप्रश्नाधिकारस्य प्रायोगिकमध्ययनम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - केतकीग्रहगणितम्

सिद्धान्तज्योतिषम्
पत्र संख्या - DSCC - 23
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. द्वादशभावेषु सूर्यचन्द्रयोः फलम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

2. द्वादशभावेषु भौमबुधयोः फलम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

3. द्वादशभावेषु गुरुशुक्रयोः फलम्

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

4. द्वादशभावेषु शनिराहुकेतूनां फलम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - चमत्कारचिन्तामणिः

फलितज्योतिषम्
पत्र संख्या - DSCC - 20
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. प्रारम्भतः सप्तमाध्यायपर्यन्तम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

2. अष्टमात् दशमाध्यायपर्यन्तम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

3. एकादशात् चतुर्दशाध्यायपर्यन्तम्

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

4. पञ्चदशात् सप्तदशाध्यायपर्यन्तम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - भावकुतूहलम् उत्साहवर्द्धिनी

फलितज्योतिषम्
पत्र संख्या - DSCC - 21
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. ग्रहस्पष्टीकरणम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

2. त्रिप्रश्नाधिकारे दिक्साधनम्, अयनांशसाधनम्, उदयमानसाधनम्,
छायातोऽर्कसाधनम्, अर्काच्च छायायनम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

3. चन्द्रग्रहणाधिकारः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

4. सूर्यग्रहणाधिकारः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - सूर्यसिद्धान्तः, तत्त्वामृतटीका

फलितज्योतिषम्
पत्र संख्या - DSCC - 22
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. नवमात् द्वादशाध्यायपर्यन्तम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

2. त्रयोदशात् षोडशाध्यायपर्यन्तम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

3. ग्रहयुद्धाध्यायः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

4. गर्भलक्षणाध्यायात् प्रवर्षणाध्यायपर्यन्तम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - 1. प्रश्नमार्गः, नीलकण्ठशर्मा
2. बृहत्संहिता, भट्टोत्पली व्याख्या

फलितज्योतिषम्
पत्र संख्या - DSCC - 23
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
1.		वज्रलेपाध्यायात् प्रतिमाप्रतिष्ठापनाध्यायपर्यन्तम्	
भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
2.		रत्नपरीक्षाध्यायात् मरकतलक्षणाध्यायपर्यन्तम्	
भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
3.		कुसुमलताध्यायात् परिवेषलक्षणाध्यायपर्यन्तम्	
भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
4.		सप्तदशाध्यायात् द्वाविंशदध्यायपर्यन्तम्	

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - 1. बृहत्संहिता, भट्टोत्पली व्याख्या
2. प्रश्नमार्गः, नीलकण्ठशर्मा

वेदभाष्यम्

पत्र संख्या - DSCC - 20

पाठ्यक्रम विवरणम्

महीधराचार्यभाष्यसंवलिताः अग्निचयनमन्त्राः

सम्पूर्णः द्वादशत्रयोदशाध्यायौ (सभाष्यम्)

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. उखाधारणादिमन्त्रादारभ्य होत्रनुवचनमन्त्रान्तो भागः (1 – 117 कण्डिकाः)
2. मन्त्राणां प्रकरणानुसारं विनियोगज्ञानम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. पुष्करपर्णाद्युपधानमन्त्राः (1 – 58 कण्डिकाः)
2. मन्त्राणां प्रकरणानुसारं विनियोगज्ञानम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- * सन्धि-पदपाठक्रमपाठानां नियमकथनम् (शुक्लयजुःप्रातिशाख्ये चतुर्थाध्यायः)

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- अवग्रहनियमाः, आख्यातोपसर्गयोः लक्षणम्, परिग्रहस्य नियमाः, वर्णसमाम्नायः, वर्णानां देवता, पदचतुष्टयम्, पदानां गोत्रदेवतादीनामुपदेशः (शुक्लयजुःप्रातिशाख्येचतुर्थाध्यायः)

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - महीधराचार्यभाष्यसंवलिताः अग्निचयनमन्त्राः

वेदभाष्यम्

पत्र संख्या - DSCC - 21

पाठ्यक्रम विवरणम्

सायणभाष्यसहिते शतपथब्राह्मणे प्रथमकाण्डे सम्पूर्ण 3-4 अध्यायौ
(शुक्लयजुर्वेदस्य माध्यन्दिनशतपथम्)

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- सुगादिद्रव्यसम्मार्जनात् परिध्युपादानभूताः पलाशादिवृक्षा इति कथनपर्यन्तम्
(तृतीयाध्याये 1 – 3 ब्राह्मणपर्यन्तम्)

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- परिधीनामार्द्रत्वप्रतिपादनात् सामिधेन्यनुवचनादिधर्मविशेषकथनम्
(तृतीयाध्याये 4-5 ब्राह्मणपर्यन्तम्)

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- सामिधेन्यनुवचने उपांशुहिङ्कृतिविधानात् तिष्ठता याज्यापाठः कर्तव्य इति विधानपर्यन्तम्
(चतुर्थाध्याये 1 – 2 ब्राह्मणपर्यन्तम्)

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- सामिधेन्यग्निः लौकिकाग्नेः दाहातिशयी इति कथनात् अग्निसम्मार्जनपर्यन्तम्
(चतुर्थाध्याये 3-4 ब्राह्मणपर्यन्तम्)

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - सायणभाष्ययुतं माध्यन्दिनशतपथब्राह्मणम्

वेदभाष्यम्

पत्र संख्या - DSCC - 22

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* इष्टिपूर्वमनुष्ठीयमानव्रतोपदेशात् अङ्गारेणकपालाच्छादनपर्यन्तम्
(द्वितीयाध्याये 1 – 4 कण्डिकाः)

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* पिष्टसंवपनार्थमपामधिश्रयणात् अध्वर्योरात्मालम्भप्रकरणपर्यन्तम्
(द्वितीयाध्याये 5 – 8 कण्डिकाः)

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* मन्त्रब्राह्मणात्मकत्वभागात् वेदस्यानुबन्धचतुष्टयकथनपर्यन्तम्

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* वेदस्य विषयप्रतिपादप्रकरणात् वेदविद्याग्रहणे अधिकारिविशेषनिरूपणपर्यन्तम्

- पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - 1. कात्यायनश्रौतसूत्रस्य सम्पूर्णःद्वितीयोऽध्यायः
2. सायणाचार्यविरचिता ऋग्वेदभाष्यभूमिका
(मन्त्रब्राह्मणात्मकत्वं वेदस्य इति प्रकरणात् ग्रन्थसमाप्तिं यावत्

वेदभाष्यम्

पत्र संख्या - DSCC - 23

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

श्रीचिन्नस्वामिशस्त्रिविरचितः यज्ञतत्त्वप्रकाशः (द्वितीयतृतीयभागौ)

- | | |
|--------------------------------|-------------------------------------------------------------|
| 1. सम्पूर्णसोमयागनिरूपणम् | 2. उक्थ्यसंस्थानिरूपणम् |
| 3. षोडशिसंस्थानिरूपणम् | 4. अतिरात्रसंस्थानिरूपणम् |
| 5. अत्यग्निष्टोमसंस्थानिरूपणम् | 6. वाजपेय-अप्नोर्यामसंस्थानिरूपणं
स्तोमादिसंख्याविवरणं च |
| 7. सम्पूर्णाग्निचयनप्रकरणम् | |

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- | | |
|-----------------------------------|------------------------------------------------|
| 1. देवसुवां हवींषि | 2. सौमिकव्यापाराः |
| 3. सौत्रामणिः, राजसूयः अश्वमेधश्च | 4. राजसूयः |
| 5. अश्वमेधस्य श्रेष्ठता | 6. पुरुषमेधःसर्वमेधः च |
| 7. सवननिरूपणम् | 8. द्वादशाह-गवामयन-षडह-महाव्रतानां
निरूपणम् |

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

लौगाक्षिभास्करप्रणीतः अर्थसङ्ग्रहः

- | | |
|-----------------------|--------------------------------------|
| 1. क्रमस्वरूपनिरूपणम् | 2. श्रुत्यादिषट् प्रमाणानां निरूपणम् |
| 3. अधिकारविधिनिरूपणम् | 4. मन्त्रविचारः |

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- | | |
|----------------------------|------------------------------------------------------|
| 1. नियमविधिविचारः | 2. परिसंख्याविधिविचाराः |
| 3. नामधेयप्रामाण्यनिरूपणम् | 4. मत्वर्थलक्षणादिनिरूपणात्
अर्थवादविचारपर्यन्तम् |

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - 1. श्रीचिन्नस्वामिशस्त्रिविरचितः यज्ञतत्त्वप्रकाशः (द्वितीय-तृतीयभागौ)
2. लौगाक्षिभास्करप्रणीतः अर्थसङ्ग्रहः

जैनदर्शनम्

पत्र संख्या - DSCC - 20

पाठ्यक्रम विवरणम्

चतुर्दशमार्गणाः

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

संसारिजीवानां विविधपरिणामाः तदनुसृत्य कर्मबन्धः तदुदये च संसारदशा। तत्र जीवानामन्वेषणविधानं मार्गणाप्ररूपणायाः प्रयोजनम्। मार्गणायाः निरुक्तिलक्षणम्। चतुर्दशमार्गणाः तदन्तरमार्गणाभेदः, सान्तमार्गणानां कालनिर्देशः वैशिष्ट्यञ्च। इन्द्रिय-काय-योग-वेद-कषाय-ज्ञान-संयम- दर्शन-लेश्या- भव्यत्व-सम्यक्त्व-संज्ञा-आहारेति मार्गणानां स्वरूपनिर्देशः।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. गतिमार्गणायाः प्रयोजनं भेदाश्च, नरकगतिः-तिर्यग्गतिः-मनुष्यगतिः-देवगतिः। गतिमार्गणया चतुर्विधाः जीवाः तेषां गतिप्रापणे दशा कारणनिर्देशश्च।
2. इन्द्रियमार्गणाविधानम्, इन्द्रियस्य लक्षणं भेदाश्च, एकेन्द्रियजीवानां द्वित्रिचतुःपंचेन्द्रियाणां च जीवानां वर्णनम्, इन्द्रियसुखं अनिन्द्रियसुखं, अतीन्द्रियज्ञानस्य वैशिष्ट्यम्।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

कायमार्गणाविधानम्, कायलक्षणम् स्थावरकायभेदाः त्रसकायभेदाः, सूक्ष्मस्थूलशरीराणि, वनस्पतिकायस्य स्वरूपभेदाः निगोदजीवाः, नित्यनिगोदस्यार्थः, त्रसजीवाः, कायविरहिताः जीवाः। योगमार्गणाविचारः मनोयोगः वचोयोगः काययोगश्च, एतेषां भेदप्रभेदानां वर्णनम्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

कषायमार्गणाविचारः कषायार्थः क्रोधमानमायालोभकषायाः तेषां चातुर्विध्यम् अनन्तानुबन्धि-अप्रत्याख्यानावरण-प्रत्याख्यानावरण-संज्वलन- नामधेयम्। लेश्याविधानम् तस्याः भेदप्रभेदाः कृष्णनीलकापोतपीतपद्मशुक्ललेश्यानां स्वरूपस्वामिफलविषयकम्।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - गोम्मटसारजीवकाण्डः - आचार्यनेमिचन्द्रविरचितः

जैनदर्शनम्

पत्र संख्या - DSCC - 21

पाठ्यक्रम विवरणम्

जैनकर्मसिद्धान्तः

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

जैनकर्मसिद्धान्तस्य अवधारणा प्रयोजनञ्च, कर्मस्वरूपम्, कर्मणां त्रैविध्यम्- द्रव्यकर्म, भावकर्म, नोकर्म चा जीवकर्मणोः सम्बन्धविशेषः तत्र कार्यकारणत्वविचारः। द्रव्यकर्माणि, मूलोत्तरप्रकृतिवर्णनम्। घातिकर्मभेदः अघातिकर्मभेदश्च। कर्मणो दशकरणानि।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

बन्धोदयसत्त्वप्रकृतिसंख्या, कर्मबंधदशा, प्रकृतिबंधः, गुणस्थानक्रमेण, तदनुबन्धविवेचनम्, तीर्थंकरप्रकृतिबंधविषये नियमः, बंधव्युच्छित्तिः गुणस्थानानुक्रमेण तद्विवरणम्, बंधाऽबंधप्रकृतिविवेचनम्, प्रकृतिबंधस्य भेदाः स्वामिनः। स्थितिबंधः तस्य उत्कृष्टादिभेदाः स्वामिनश्च, स्थितेराबाधालक्षणम्।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

कर्मणां निषेकाः तत्स्वरूपम्, निषेकहानिक्रमः, अनुभागबन्धः, अनुभागस्योत्कृष्टादिभेदाः तत्स्वामिनश्च घात्यघातिकर्मसु अनुभागबन्धनियमः।

प्रदेशबन्धस्य स्वरूपं, समयप्रबद्धस्यावधारणा, समयप्रबद्धस्य मूलोत्तरकर्मप्रकृतिषु विभागनियमः प्रदेशबंधस्योत्कृष्टादिभेदाः स्वामिनश्च, प्रकृतिबन्धस्य कारणं योगः योगस्थानानि तेषां स्वरूपं भेदाः स्वामिनश्च, योगस्थानेषु अल्पबहुत्वनिर्देशः।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

कर्मणामुदयः उदयव्युच्छित्तिः, उदययोग्यप्रकृतयः गुणस्थानानुक्रमेण तन्निदर्शनम्, अनुदयप्रकृतिनिर्देशः, उदीरणालक्षणम्, उदीरणायोग्यप्रकृतयः, अनुदीरणाप्रकृतयश्च, सत्त्वप्रकृतयः, गुणस्थानक्रमेण तन्निर्देशः, सत्त्वव्युच्छित्तिः, गुणस्थानेषु सत्त्वासत्त्वप्रकृतिनिर्देशः, गत्यादिमार्गणासु सत्त्वप्रकृतीनां निर्देशः।

- पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - 1. गोम्मटसारकर्मकाण्डः आचार्यनेमीचन्द्रविरचितः
2. जैनकर्मसिद्धान्ते बन्धमुक्तिविमर्शः

जैनदर्शनम्

पत्र संख्या - DSCC - 22

पाठ्यक्रम विवरणम्

जैनध्यानमीमांसा

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

जैनपरम्परायां साधनायोगः समत्वयोगश्च, अन्तस्तपस्सु ध्यानम्, ध्यानलक्षणम् तद्विमर्शश्च, ध्यानाधिकारिणः, ध्यानस्य कालनिर्देशः, साधनायां ध्यानस्य लक्ष्यं प्रयोजनञ्च। ध्यानस्य शुभाशुभत्वम्।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

अशुभध्यानानि आर्तरौद्रसंज्ञकानि, आर्तध्यानस्य स्वरूपम् तस्य भेदाः-

1. अमनोज्ञविप्रयोगचिन्ताहेतुकम्
2. मनोज्ञविषयचिन्ताजनकम्
3. वेदनाजन्यम्
4. निदानहेतुकम्।

एतेषां स्वरूपाख्यानां स्वामिफलनिर्देशः। रौद्रध्यानस्य लक्षणं भेदाश्च,

हिंसामृषाचौर्यपरिग्रहानुबन्धिनश्चत्वारः। एतेषां स्वरूपस्वामिफलनिर्देशः।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

शुभध्यानानि धर्मशुक्लनामानि, धर्मध्यानं, तद्हेतुभूताश्च भावनाः, धर्मध्यानस्य योग्यक्षेत्रकालनिर्देशः, धर्मध्यानस्य अभ्यासक्रमः आज्ञाऽपायविपाकसंस्थानविचयहेतुकः, धर्मध्यानस्याधिकारिणः वैशिष्ट्यञ्च

मोक्षसुखं तल्लब्धुञ्च शुक्लध्यानम्, तस्य लक्षणं तद्भेदाश्च, पृथक्त्ववितर्कविचारस्य, एकत्ववितर्कविचारस्य, सूक्ष्मक्रियाऽप्रतिपातिनाम्नः, व्युपरतक्रियानिवर्तिनामकस्य निर्देशः।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

ध्यानसाधनायां संसारिषु मनुष्याणामेव प्रवेशः नान्येषां। तस्य कारणनिर्देशः। गुणस्थानानुक्रमेण आर्तध्यानस्य, रौद्रध्यानस्य, धर्मध्यानस्य, शुक्लध्यानस्य च निर्देशः अभ्यासक्रमश्च।

- पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - 1. सर्वार्थसिद्धिः, अध्याय - 9, आचार्यपूज्यपादविरचिता
2. ध्यानशतकम् जिनभद्रक्षमाश्रमणो विरचितम्

जैनदर्शनम्

पत्र संख्या - DSCC - 23

पाठ्यक्रम विवरणम्

आप्तपरीक्षा

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

जैनमते आप्तस्य अवधारणा, जैनदेवतायाः लक्षणम्, तद्विशेषणानाञ्च समीक्षणम्, आप्तस्य असाधारणविशेषणानि- मोक्षमार्गप्रणेतृत्वम्, कर्मभूभृदभेतृत्वम्, विश्वतत्त्वज्ञातृत्वम्। अन्ययोगव्यवच्छेदात् महात्मनि अर्हति एतेषां सद्भावः ।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

वैशेषिकमते आप्तधारणा, तत्र पूर्वोत्तरपक्षः, आप्तस्य कर्मभूभृदभेतृत्वप्रसाधनम्, ततश्च विश्वतत्त्वज्ञातृत्वं ततश्च मोक्षमार्गप्रणेतृत्वम् । ईश्वरः न सर्वज्ञ कर्मभूतां भेत्ता, शश्वत्कर्ममलैरस्पृष्टः परमात्मानुपायसिद्धः, अनुपायासिद्धश्च सर्वज्ञः भगवान् एव ।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

ईश्वरस्य सिद्धिः, ईश्वरस्यानुपायसिद्धत्वमनादित्वात् तदनादित्वञ्च तनुकरभुवनादौ निमित्तकारणत्वात्। पञ्चानुमानावयवैः ईश्वरस्य जगत्कर्तृत्वस्य पूर्वपक्षः, तस्योपरि जैनानामुत्तरपक्षः। सांख्यप्रस्थाने कपिलो वै आप्तः तस्य मोक्षमार्गोपदेशकत्वम् प्रधानस्य मुक्तामुक्तत्वकल्पनायां दोषारोपणं मोक्षमार्गोपदेशकत्वनिरासः, सुगतस्य मोक्षमार्गोपदेशकत्वम् पूर्वापरपक्षपुरस्सरं मोक्षमार्गोपदेशकत्वनिरासः, परमपुरुषस्य सर्वज्ञत्वमोक्षमार्गोपदेशकत्वयोः असम्भवात् प्रतिभासमात्रस्य च मीमांसा ।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

अर्हत्सर्वज्ञसिद्धिः तत्र भट्टमतसमीक्षणं, अर्हतः कर्मभूभृदभेतृत्वसिद्धिः सांख्यनैयायिकवैशेषिक-कर्मस्वरूपसमीक्षेण विमर्शः मोक्षमार्गप्रणेतृत्वसिद्धिश्च, आत्मनश्च मोक्षमोक्षमार्गयोः सिद्धिरत्र नास्तिकतापरिहारः ।

- पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - 1. आप्तमीमांसा - समन्तभट्टाचार्यकृता
2. आप्तपरीक्षा - आचार्यविधानन्दिकृता
3. आप्तमीमांसा तत्त्वदीपिका - प्रो.उदयचन्द्रजैन, वाराणसी

धर्मशास्त्रम्

पत्र संख्या - DSCC - 20

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

वेतनादानात्स्वामिपालविवादं यावत्

- | | |
|-----------------------------|-----------------------------|
| 1. वेतनादानविवादपदम् | 2. संविद्व्यतिक्रमविवादपदम् |
| 3. क्रयविक्रयानुशयविवादपदम् | 4. स्वामिपालविवादपदम् |

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सीमाविवादः

- | | |
|-----------------------------|-----------------------------|
| 1. वेतनादानविवादपदम् | 2. संविद्व्यतिक्रमविवादपदम् |
| 3. क्रयविक्रयानुशयविवादपदम् | 4. स्वामिपालविवादपदम् |

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

वाक्पारुष्यात् स्त्रीसंग्रहणं यावत्

- | | | |
|------------------|------------------|--------------------|
| 1. वाक्पारुष्यम् | 2. दण्डपारुष्यम् | 3. स्त्रीसंग्रहणम् |
|------------------|------------------|--------------------|

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

स्त्रीपुंधर्मात् साहसविवदपदं यावत्

- | | | |
|-------------------|------------|-------------|
| 1. स्त्रीपुंधर्मः | 2. द्यूतम् | 3. समाह्वयः |
| 4. स्तेयम् | 5. साहसम् | |

- पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -
- याज्ञवल्क्यस्मृतिः (समिताक्षरा)
 - मनुस्मृतेः अष्टमाध्यायाः
 - व्यवहारमयूखः (नीलकण्ठभट्टः)
 - विवादरत्नाकरः (चण्डेश्वरः)
 - व्यवहारप्रकाशः (मित्रमिश्रः)
 - सरस्वतीविलासः (प्रतापरुद्रदेवः)
 - व्यवहारसारः (दलपतिः)
 - मदनरत्नः (मदनसिंहः)
 - विवादचन्द्रः (मिसरुमिश्रः)
 - नारदस्मृतिः
 - विवादचिन्तामणिः (वाचस्पतिमिश्रः)

धर्मशास्त्रम्

पत्र संख्या - DSCC - 21

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* अविभाज्यधनानि

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* विभागानधिकारिणः विभक्तजस्य विभागश्च

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* विभागान्तरगतस्य विभागः सवर्णानुलोमस्त्रीजातानां पुत्राणां च विभागः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* संसृष्टिनिर्णयः विभागकाले निहृतस्य विभागः विभागसन्देहे निर्णयः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

1. दायभागः (जीमूतवाहनः)
2. दायतत्त्वम् (रघुनन्दनभट्टाचार्यः)
3. व्यवहारप्रकाशः (वीरमित्रोदयः)
4. याज्ञवल्क्यस्मृतिः (समिताक्षरा)
5. नारदस्मृतिः
6. मनुस्मृतिः
7. हारीतस्मृतिः
8. स्मृतिसारः (हरिनाथः)
9. विवादरत्नाकरः (चण्डेश्वरठाकुरः)
10. मदनपारिजातः (विश्वेश्वरभट्टः)
11. मित्रमिश्रः दायभागविमर्शः (प्रो. ललितकुमारसाहुः)
12. दायभागसमीक्षा (प्रो. किशोरचन्द्रमहापात्रः)
13. स्मृतिचन्द्रिकायाः व्यवहारकाण्डः (देवणभट्टः)

धर्मशास्त्रम्

पत्र संख्या - DSCC - 22

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
----------------	--------------------	------------------	---------------------

एकादशीद्वादशीनिर्णयः

- | | | |
|---------------------------|-------------------------------------------|-----------------------------------|
| 1. एकादशीसामान्यनिर्णयः | 2. स्मार्त्तवैष्णवभेदाभ्यामे कादशीनिर्णयः | |
| 3. उपवासाधिकारिनिर्णयः | 4. निर्जलैकादशी | 5. गान्धार्यैकादशी |
| 6. विष्णुशयन्येकादशी | 7. विष्णुशयनव्रतम् | 8. चातुर्मास्यव्रतम् |
| 9. पार्श्वपरिवर्तनम् | 10. देवोत्थानैकादशी | 11. देवोत्थानविधिः |
| 12. भौम्येकादशी | 13. एकादशीभेदाः | 14. पारणविचारः |
| 15. द्वादशीसामान्यनिर्णयः | 16. श्रवणद्वादशी | 17. वत्सद्वादशी |
| 18. भीमद्वादशी | 19. चम्पकद्वादशी | 20. वामनजन्म |
| 21. महाद्वादश्यः | 22. चतुर्मास्यसमाप्तिः | 23. सर्वद्वादशीकृत्यं तन्नियमाश्च |

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
----------------	--------------------	------------------	---------------------

त्रयोदशीचतुर्दशीनिर्णयः -

- | | | |
|---------------------------|-----------------------------|------------------|
| 1. त्रयोदशीसामान्यनिर्णयः | 2. अनङ्गत्रयोदशी | 3. दमनकचतुर्दशी |
| 4. अनन्तचतुर्दशी | 5. रटन्त्या चतुर्दशी | 6. पाषाणचतुर्दशी |
| 7. स्नुहीचतुर्दशी | 8. शिवरात्रिचतुर्दशीनिर्णयः | |

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
----------------	--------------------	------------------	---------------------

- पञ्चदशीतिथिनिर्णयः**
- | | | |
|--------------------------|------------------------|-----------------------------|
| 1. पञ्चदशीसामान्यनिर्णयः | 2. पञ्चदशीभेदः | |
| 3. इष्टिकालनिर्णयः | 4. ग्रहणनिर्णयः | 5. प्रकृतिविकृतीष्टिनिर्णयः |
| 6. अमायां श्राद्धनिर्णयः | 7. ग्रहणे दीक्षाविचारः | |

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
----------------	--------------------	------------------	---------------------

- मासकृत्यानि**
- | | |
|----------------|-------------------|
| 1. आषाढकृत्यम् | 2. कार्तिककृत्यम् |
| 3. माघकृत्यम् | 4. वैशाखकृत्यम् |

- पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -**
1. शिवरात्रिव्रतविधिः (नित्याचारप्रदीपः) नरसिंहमिश्रवाजपेयी
 2. निर्णयसिन्धुः (द्वितीयपरिच्छेदः)

धर्मशास्त्रम्
पत्र संख्या - DSCC - 23
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* शुद्धदत्तकलक्षणम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* दत्तकधर्मः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* दत्तकाशौचनिर्णयः सापिण्ड्यनिर्णयश्च

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* दत्तककर्तृकश्राद्धनिर्णयः दत्तकस्य दायभागविचारश्च

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

1. दत्तकमीमांसा (नन्दपण्डितः)
2. दत्तकचन्द्रिका
3. दत्तकविधिः (वाचस्पतिमिश्रः)
4. व्यवहारमयूखः (नीलकण्ठभट्टः)
5. वसिष्ठस्मृतिः (कुलमणिमिश्रः)

न्यायदर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 20
पाठ्यक्रम विवरणम्
पदविशेषशक्तिविचारः

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

I. आकाशधेनुपुष्पवन्तपदशक्तिविचारः

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

II. सर्वनामपदशक्तिविचारः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

III. युष्मदस्मदपदशक्तिविचारः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

IV. सर्वपद-किम्पद-स्वपदशक्तिविचारः

=====

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - शक्तिवादे विशेषकाण्डः

न्यायदर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 21
पाठ्यक्रम विवरणम्
आत्मवादः

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

I. आत्मसाधकानुमानानि

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

II. आत्मस्वरूपम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

III. जैनबौद्धमतविमर्शः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

IV. वेदान्तमतविमर्शः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - I. आत्मतत्त्वविवेकः, न्यायसिद्धान्तमुक्तावली

न्यायदर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 22
पाठ्यक्रम विवरणम्
ख्यातिविचारः

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

I. ख्यातिप्रभेदाः

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

II. आत्मख्यात्यसत्ख्यात्योः विमर्शः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

III. अख्यातिवादः अनिर्वचनीयख्यातिवादः, यथार्थख्यातिवादः, अभिनवान्यथाख्यातिवादश्च

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

IV. अन्यथाख्यातिव्यवस्थापनम्

-
- पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - I. तत्त्वचिन्तामणौ अन्यथाख्यातिवादः
II. श्रीरामानुजताताचार्यविरचिते
प्रत्यक्षतत्त्वचिन्तामणिविमर्शे अन्यथाख्यातिवादः

न्यायदर्शनम्

पत्र संख्या - DSCC - 23

पाठ्यक्रम विवरणम्

ईश्वरः

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

I. आधेयशाक्तिविचारः, सृष्टिप्रलयस्थापनम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

II. ईश्वरसाधकान्यनुमानानि कार्यत्वानुमाननिरूपणञ्च

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

III. आयोजनात् धृत्यादितः पदात् प्रत्ययतश्च ईश्वरसिद्धिः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

IV. श्रुतेः वाक्यात् संख्याविशेषाच्च ईश्वरसिद्धिः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - I. श्रीमदुदयनाचार्यविरचिते न्यायकुसुमाञ्जलौ
विस्तरसहिते पञ्चमस्तवके प्रथमयोजनाप्रकरणम्

अद्वैतवेदान्तदर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 20
पाठ्यक्रम विवरणम्
--

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* द्वितीयाध्यायस्य प्रथमपादस्य आदितः त्रयोदशाधिकरणपर्यन्तम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* द्वितीयाध्यायस्य द्वितीयपादस्य आदितः चतुर्थाधिकरणपर्यन्तम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* द्वितीयाध्यायस्य द्वितीयपादस्य पञ्चमतः षष्ठाधिकरणपर्यन्तम्

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* द्वितीयाध्यायस्य द्वितीयपादस्य सप्तमाष्टमाधिकरणे

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - ब्रह्मसूत्रे द्वितीयाध्याये प्रथमद्वितीयपादौ

अद्वैतवेदान्तदर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 21
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्य परिचयः, मङ्गलाचरणम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* स्वप्रकाशलक्षणे पूर्वपक्षसिद्धान्तपक्षः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* स्वप्रकाशप्रमाणे पूर्वपक्षसिद्धान्तपक्षः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* तमसः भावरूपत्वं, मिथ्यात्वनिरूपणम्, प्रपञ्चमिथ्यात्वश्रुतिः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - तत्त्वप्रदीपिका

अद्वैतवेदान्तदर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 22
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* भामतीकारटीकयोः परिचयः, अध्यासशङ्का, अध्यासलक्षणम्, दृष्टान्तविचारः

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* अविद्यावत् विषयः, पञ्चख्यातिनिरूपणम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* भामतीदिशा जिज्ञासाधिकरणम् जन्माद्यधिकरणञ्च

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* भामतीदिशा शास्त्रयोनित्व-समन्वयाधिकरणञ्च

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - भामती (चतुःसूत्री)

अद्वैतवेदान्तदर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 23
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* दशश्लोकी, सिद्धान्तविन्दुपरिचयः, तत्त्वंपदार्थपरिचयः

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* प्रथमद्वितीयश्लोकार्थविचारः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* तृतीयचतुर्थपञ्चमषष्ठसप्तमश्लोकार्थविचारः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* अष्टमनवमदशमश्लोकार्थविचारः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - सिद्धान्तविन्दुः

सांख्ययोगदर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 20
पाठ्यक्रम विवरणम्

--

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. प्रथमविषयाध्यायस्य
(प्रथमविषयाध्ययस्य एकनवतिसूत्रादारभ्य विंशत्युत्तरशतं सूत्रं यावत्)

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

2. प्रथमविषयाध्यायस्य
(प्रथमविषयाध्यायस्य एकविंशत्युत्तरशतं सूत्रादारभ्य चत्वारिंशत्युत्तरशतं सूत्रं यावत्)

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

3. प्रथमविषयाध्ययस्य
(प्रथमविषयाध्यायस्य एकचत्वारिंशत्युत्तरशतं सूत्रादारभ्य अध्यायसमाप्तिं यावत्)

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

4. द्वितीयप्रधानकार्याध्यायः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - सांख्यप्रवचनभाष्यम्

सांख्ययोगदर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 21
पाठ्यक्रम विवरणम्
--

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. साधनपादः (आदिसूत्रादारभ्य द्वादशसूत्रं यावत्)

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

2. साधनपादः (त्रयदशसूत्रादारभ्य सप्तविंश सूत्रं यावत्)

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

3. साधनपादः (अष्टाविंसूत्रादारभ्य पञ्चत्रिंशसूत्रं यावत्)

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

4. साधनपादः (षडत्रिंशसूत्रादारभ्य पादसमाप्तिसूत्रं यावत्)

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - व्यासभाष्यद्वितीयपादः

सांख्ययोगदर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 22
पाठ्यक्रम विवरणम्
--

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी (त्रयत्रिंशतः चतुर्त्रिंशकारिकां यावत्)

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

2. सांख्यतत्त्वकौमुदी (पञ्चचत्वारिंशकारिकातः पञ्चपञ्चासत्कारिकां यावत्)

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

3. सांख्यतत्त्वकौमुदी (षडपञ्चाशत्कारिकातः षडषष्टीकारिकां यावत्)

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

4. सांख्यतत्त्वकौमुदी (सप्तषष्टीकारिकातः ग्रन्थसमाप्तिं यावत्)

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - सांख्यतत्त्वकौमुदी (एकत्रिंशत्कारिकादारभ्य ग्रन्थसमाप्तिं यावत्)

सांख्ययोगदर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 23
पाठ्यक्रम विवरणम्
--

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. सांख्याचार्यकपिलः, सांख्यषडाध्यायी

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

2. सांख्यदर्शनस्य आचार्यपरम्परा

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

3. योगदर्शनस्येतिहासः योगपरम्पराश्च

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

4. सांख्ययोगदर्शनस्य साम्प्रतिकोपादेयता

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - सांख्ययोगदर्शनस्य इतिहासः

पुराणेतिहासः
पत्र संख्या - DSCC - 20
पाठ्यक्रम विवरणम्
लीलाधामप्रकरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
			<ul style="list-style-type: none">शौनकगर्गसंवादे अवतारतत्त्वम्। अवतारभेदः। श्रीकृष्णधाम गोलोकः। देवादिभिः गोलोकदर्शनम्।
भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
			<ul style="list-style-type: none">गोलोकस्वरूपवर्णनम्, देवस्तुतिः। भगवतः आगमनोद्योगः। भगवतः जन्मोत्सवः।
भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
			<ul style="list-style-type: none">नन्दस्य लक्षणम्, यूथस्य लक्षणं भेदश्च। श्रुतिरूपाः गोप्यः। अयोध्यापुरवासिन्यः गोप्यः।
भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
			<ul style="list-style-type: none">पुलिन्दः गोप्यः, वैकुण्ठवासिन्यः गोप्यः। भगवदवतारोद्योगः। कंसस्य पूर्वजन्मवृत्तम्।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

गर्गसंहिता (गोलोकखण्डः, सम्पूर्णः)

रामतेज उपाध्याय, चौखम्बासंस्कृतप्रकाशन, वाराणसी

पुराणेतिहासः
पत्र संख्या - DSCC - 21
पाठ्यक्रम विवरणम्
भुवनकोशादिविवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

भवाटवीस्पष्टीकरणम्। भुवनकोशविवरणम्। भरतवंशवर्णनम्।
गंगावतरणम्। संकर्षणस्तवनम्।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

नववर्षाणां विभाजनम्। भारतवर्षस्य महत्त्वम्।
प्लक्षादिषड्द्वीपानां विवरणम्। लोकालोकपर्वतवर्णनम्।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सूर्यरथस्य वर्णनम्। सूर्यगतिनिरूपणम्।
नवग्रहाणां गतिनिरूपणम्। शिशुमारचक्रम्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

राहोः स्थितिनिरूपणम्। सप्तपातालवर्णनम्।
श्रीसंकर्षणदेवविवरणम्। नरकगतिवर्णनम्।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - श्रीमद्भागवतमहापुराणम्, पंचमस्कन्धः (13-26 अध्यायाः)
गीताप्रेस, गोरखपुर, उत्तरप्रदेश।

पुराणेतिहासः
पत्र संख्या - DSCC - 22
पाठ्यक्रम विवरणम्
रासलीलातत्त्वम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
रासलीलावर्णनम् गोपीशान्त्वनम्।	श्रीकृष्णविरहे गोपीनां दशा।		गोपिकागीतरहस्यम्।
भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
महारासस्वरूपवर्णनम् भ्रमरगीतमहत्त्ववर्णनम्	युगलगीतरहस्यम्,	गोपी-उद्धवयोः सम्भाषणम् तन्महत्त्वञ्च,	
भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
बाणासुरवृत्तम् ब्रह्मस्वमहत्त्वम्।	शिवश्रीकृष्णयोः युद्धवर्णनम्।	नृगचरित्रम्।	
भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
वेदस्तुतिः भगवतः मायास्वरूपोपस्थापनम्	वेदपुरुषस्वरूपनिर्णयः।		

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - श्रीमद्भागवतमहापुराणम्, दशमस्कन्धः
गीताप्रेस, गोरखपुर, उत्तरप्रदेश।

पुराणेतिहासः
पत्र संख्या - DSCC - 23
पाठ्यक्रम विवरणम्
शिवतत्त्वम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
शिवपुराणमाहात्म्यम् शिवभक्तेः नवसाधनानि।	संहिताभेदः लिङ्गवेरयोः पूजनम्।	साध्य-साधन-साधकतत्त्वम्।	
भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
ज्योतिर्लिङ्गस्याविर्भावः केतकीपुष्पस्य शिवपूजायाः बहिष्कारः। शिवरात्रिव्रतमाहात्म्यम्।		केतकीपुष्पस्य मिथ्यासाक्ष्यप्रदानम्। विष्णोः महत्त्वप्रतिपादनम्।	
भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
पंचकृत्यलक्षणम्, शिवक्षेत्रवर्णनम्।	ओंकारमाहात्म्यम्।	शिवलिंगस्थापनं पूजाविधानं च।	
भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
सदाचारवर्णनम्, पार्थिवशिवपूजनभेदः।	अग्नियज्ञः।	देवयज्ञः।	

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - श्रीशिवमहापुराणम् (विद्येश्वरसंहिता 1-15 अध्यायाः),
नागपब्लिशर्स, मुम्बई।

दर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 20
पाठ्यक्रम विवरणम्
योगदर्शनम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* पातञ्जलयोगसूत्रम् – समाधिपादस्यादितः सप्तदशसूत्रं यावत्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* पातञ्जलयोगसूत्रम् – समाधिपादस्याष्टादशसूत्रतः पादान्तं यावत्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* पातञ्जलयोगसूत्रम् – साधनपादस्यादितः षड्विंशतिसूत्रं यावत्

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* पातञ्जलयोगसूत्रम् – साधनपादस्य सप्तविंशतिसूत्रतः समाप्तिं यावत्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - पातञ्जलयोगसूत्रम्

दर्शनम्

पत्र संख्या - DSCC - 21

पाठ्यक्रम विवरणम्
वेदान्तदर्शनम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* जिज्ञासाधिकरणविमर्शः

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* जन्माद्यधिकरणविमर्शः, शास्त्रयोनित्वविचारश्च

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* समन्वयाधिकरणविमर्शः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* ईक्षत्यधिकरणविमर्शः, आनन्दमयाधिकरणविमर्शश्च

=====

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्

दर्शनम्

पत्र संख्या - DSCC - 22

पाठ्यक्रम विवरणम्

मीमांसादर्शनम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* धर्मविचारः, धर्मे प्रत्यक्षप्रामाण्यागम्यत्वञ्च

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* धर्मेऽनुमानादिप्रामाण्यगम्यत्वं विविधवादखण्डनञ्च

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* शब्दनित्यत्वानित्यत्वाधिकरणम्

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* शब्दस्य नित्यत्वे वेदापौरुषेयत्वम् इति विचारः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - शाबरभाष्यम्, तर्कपादः

दर्शनम्

पत्र संख्या - DSCC - 23

पाठ्यक्रम विवरणम्

रामानुजदर्शनम्, काश्मीरशैवदर्शनञ्च

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* रामानुजदर्शनम् (आदितः अज्ञानस्य भावरूपत्वखण्डनं यावत्)

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* रामानुजदर्शनम् (तत्त्वमसीति प्रकरणादारभ्य तत्तु समन्वयात् इति यावत्)

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* पराप्रवेशिका संवित्स्वरूपप्रकरणादारभ्योपायकथनं यावत्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

* षट्त्रिंशत्तत्त्वसन्दोहः – काश्मीरशैवदर्शनतत्त्वानुशीलनम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - सर्वदर्शनसंग्रहः

मीमांसादर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 20
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
	<ul style="list-style-type: none">• औत्पत्तिकसूत्रस्यावतारिका, व्याख्या च• निरालम्बनत्वपूर्वपक्षः• निरालम्बनत्वस्य बुद्धोपदेशविरोधः• निरालम्बनत्वव्यवहारहेतुः	<ul style="list-style-type: none">• वृत्तिकारमतविचारः• निरालम्बनत्वानुमाने पक्षदोषाः• सर्वेषां प्रत्ययानां किञ्चिदालम्बनत्वसाधनम्	
भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
	<ul style="list-style-type: none">• निरालम्बनत्वानुमाने हेतुदोषाः, दृष्टान्तदोषाश्च• वासनातो ज्ञानभेदनिरासः	<ul style="list-style-type: none">• असत्येन हेतुना साध्यासिद्धिः• शून्यवादावतारिका, पूर्वपक्षश्च	
भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
	<ul style="list-style-type: none">• शून्यवादस्य निरासः		
भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
	<ul style="list-style-type: none">• एकस्मिन् वस्तुनि नानाकारज्ञानोपपादनम्• भाष्योक्तानुमानलक्षणविचारः	<ul style="list-style-type: none">• वासनातो ज्ञानभेदासम्भवः• असन्निकृष्टपदसूचिता अलक्ष्याः	

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - मीमांसाश्लोकवार्तिकम्, मीमांसाशाबरभाष्यम्

मीमांसादर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 21
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- प्रतिपदाधिकरणम्
- धात्वर्थातिरिक्तभावनासाधनम्
- भावार्थाधिकरणस्वरूपम्
- तिबाद्यर्थविचारः

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- भावनायाः मुख्यविशेष्यत्वम्
- अपूर्वाधिकरणपूर्वपक्षः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- अपूर्वाधिकरणसिद्धान्तः
- तानिद्वैधाधिकरणम्

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- सम्मार्गाधिकरणम्
- गुणकामाधिकरणम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - मीमांसाकौस्तुभः

मीमांसादर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 22
पाठ्यक्रम विवरणम्
--

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- दर्शपूर्णमासप्रकरणे इध्मप्रोक्षणादिवेदिसंस्कारविचारः
- प्रयाजानुष्ठानविचारः

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- दर्शपूर्णमासप्रकरणे आज्यभागानुष्ठानमारभ्य स्विष्टकृद्धोमपर्यन्तानुष्ठानविचारः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- दर्शपूर्णमासप्रकरणे इडाप्राशित्रसम्बद्धानुष्ठानमारभ्य इध्मसन्नहनसंस्कारानुष्ठानपर्यन्तभागविचारः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- दर्शपूर्णमासप्रकरणे अनूयाजानुष्ठानविषयमारभ्य प्रस्तरप्रहरण – परिधिप्रहरण – हविशशेषभक्षण – पत्नीसंयाजानुष्ठान – पिष्टलोप – फलीकरणहोम – प्रायश्चित्तहोमविचारः
- दर्शपूर्णमासयोः अनुष्ठानफलकालविचारः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

आपस्तम्बश्रौतसूत्रम् (रामाग्निचिद्वृत्तिधूर्तस्वामिप्रणीतभाष्यसहितम्),
जैमिनीयन्यायमालाविस्तरः

मीमांसादर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 23
पाठ्यक्रम विवरणम्
--

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- रेवत्यधिकरणम्
- सौभराधिकरणम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- प्रकरणान्तराधिकरणम्
- तेषामर्थाधिकरणम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- अरुणाधिकरणम्
- ग्रहैकत्वाधिकरणम्

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- बलाबलाधिकरणम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - मीमांसाकौस्तुभः

वेदपौरोहित्यकर्मकाण्डम्

पत्र संख्या - DSCC - 20

पाठ्यक्रम विवरणम्

महीधराचार्य भाष्यसंवलिताः अग्न्याधान-अग्निहोत्रमन्त्राः
(शुक्लयजुर्वेदस्य माध्यन्दिनसंहितायां तृतीयोऽध्यायः)

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- अग्न्याधानपरिचयः
- चातुर्मास्यपरिचयः
- मन्त्राणामृषिच्छन्दोदैवतज्ञानम्
- अग्निहोत्रपरिचयः
- मन्त्राणां प्रकरणानुसारं विनियोगज्ञानम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- तृतीयाध्याये 1 – 19 कण्डिकाः
घृताक्तसमिदाधानात् आहवनीयस्योपविश्यजपपर्यन्तो भागः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- 20 - 43 कण्डिकाः - गोऽभ्ययनात् उपस्थानमन्त्रसमाप्तिपर्यन्तो भागः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- 44 - 63 कण्डिकाः – चातुर्मास्यप्रकरणात् मुण्डनार्थं क्षुरादानपर्यन्तो भागः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनसंहिता श्रीमहीधरभाष्यसंवलिता

वेदपौरोहित्यकर्मकाण्डम्

पत्र संख्या - DSCC - 21

पाठ्यक्रम विवरणम्

सायणभाष्यसहिते शतपथब्राह्मणे प्रथमकाण्डे सम्पूर्ण 3-4 अध्यायौ कुल 4
(शुक्लयजुर्वेदस्य माध्यन्दिनशतपथम्)

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- स्रुगादिद्रव्यसम्मार्जनात् परिध्युपादानभूताः पलाशादिवृक्षा इति कथनपर्यन्तम्
(तृतीयाध्याये 1 – 3 ब्राह्मणपर्यन्तम्)

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- परिधीनामार्द्रत्वप्रतिपादनात् सामिधेन्यनुवचनादिधर्मविशेषकथनम्
(तृतीयाध्याये 4 – 5 ब्राह्मणपर्यन्तम्)

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- सामिधेन्यनुवचने उपांशुहिङ्कृतिविधानात् तिष्ठता याज्यापाठः कर्तव्य इति विधानपर्यन्तम्
(चतुर्थाध्याये 1-2 ब्राह्मणपर्यन्तम्)

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- सामिधेन्यग्निः लौकिकाग्नेः दाहातिशयी इतिकथनात् अग्निसम्मार्जनपर्यन्तम्
(चतुर्थाध्याये 3-4 ब्राह्मणपर्यन्तम्)

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - सायणभाष्यसहितं माध्यन्दिनशतपथब्राह्मणम्

वेदपौरोहित्यकर्मकाण्डम्

पत्र संख्या - DSCC - 22

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

कात्यायनश्रौतसूत्रस्य सम्पूर्णः द्वितीयोऽध्यायः

- इष्टिपूर्वमनुष्ठीयमानव्रतोपदेशात् अङ्गारेणकपालाच्छादनपर्यन्तम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- पिष्टसंवपनार्थमपामधिश्रयणात् अध्वर्योरात्मालम्भप्रकरणपर्यन्तम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सायणाचार्यविरचिता ऋग्वेदभाष्यभूमिका

(मन्त्रब्राह्मणात्मकत्वं वेदस्य इति प्रकरणात् ग्रन्थसमाप्तिं यावत्)

- मन्त्रब्राह्मणात्मकत्वभागात् वेदस्यानुबन्धचतुष्टयकथनपर्यन्तम्

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- वेदस्य विषयप्रतिपादप्रकरणात् वेदविद्याग्रहणे अधिकारिविशेषनिरूपणपर्यन्तम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - पारस्करगृह्यसूत्रम् (डॉ. जगदीशचन्द्र मिश्रः)

वेदपौरोहित्यकर्मकाण्डम्

पत्र संख्या - DSCC - 23

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

श्रीचिन्नस्वामिशास्त्रिविरचितः यज्ञतत्त्वप्रकाशः (द्वितीयतृतीयभागौ)

- सम्पूर्णसोमयागनिरूपणम्
- षोडशिसंस्थानिरूपणम्
- अत्यग्निष्टोमसंस्थानिरूपणम्
- सम्पूर्णाग्निचयनप्रकरणम्
- उक्थ्यसंस्थानिरूपणम्
- अतिरात्रसंस्थानिरूपणम्
- वाजपेय-अप्तोर्यामसंस्थानिरूपणं
स्तोमादिसंख्याविवरणं च

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- देवसुवां हवींषि
- राजसूयः
- सवननिरूपणम्
- सौमिकव्यापाराः
- अश्वमेधस्य श्रेष्ठता
- द्वादशाह-गवामयन-षडह-महाब्रतानां निरूपणम्
- सौत्रामणिः, राजसूयः अश्वमेधश्च
- पुरुषमेधः सर्वमेधः च

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

लौगाक्षिभास्करप्रणीतः अर्थसङ्ग्रहः

- क्रमस्वरूपनिरूपणम्
- अधिकारविधिनिरूपणम्
- श्रुत्यादिषट् प्रमाणानां निरूपणम्
- मन्त्रविचारः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- नियमविधिविचारः
- नामधेयप्रामाण्यनिरूपणम्
- परिसंख्याविधिविचाराः
- मत्वर्थलक्षणादिनिरूपणात् अर्थवादविचारपर्यन्तम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - श्रीचिन्नस्वामिशास्त्रिविरचितः

यज्ञतत्त्वप्रकाशः लौगाक्षिभास्करप्रणीतः अर्थसङ्ग्रहः

पालि

पत्र संख्या - DSCC - 20

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- | | |
|--------------------|---------------------|
| 1. चित्तस्स परिचयो | 2. चित्तसङ्गहविभागो |
| 3. अकुसलचित्तानि | 4. अहेतुकचित्तानि |

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- | | |
|-------------------------------|--------------------------------|
| 1. सोभनचित्तानि | 2. कामावचर-कुसलचित्तानि |
| 3. सहेतुककामावचरविपाकचित्तानि | 4. सहेतुककामावचरक्रियाचित्तानि |

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- | | |
|-------------------------|-------------------------|
| 1. रूपावचरकुलचित्तानि | 2. रूपावचरविपाकचित्तानि |
| 3. रूपावचरक्रियचित्तानि | |

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- | | |
|--------------------------|--------------------------|
| 1. अरूपावचरकुसलचित्तानि | 2. अरूपावचरविराकचित्तानि |
| 3. अरूपावचरक्रियचित्तानि | 4. लोकुत्तरचित्तानि |

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

अभिधम्मत्थसङ्गहो (पठमो भागो),

सम्पादको – प्रो. रामशंकरत्रिपाठी

प्रकाशक – सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी, 1991

पालि

पत्र संख्या - DSCC - 21

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. बोधिकथा
2. राजायतनकथा
3. पञ्चवगियकथा

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. धम्मचक्कप्पवत्तनं
2. अनत्तपरियायो

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. पब्बज्जाकथा
2. मारकथा

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. बिम्बिसारसमागतकथा
2. सारिपुत्तमोगल्लानपब्बज्जाकथा

-
- पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - १. विनयपिचके महावग्गो, सम्पादको – भिक्खु जगदीशकश्यप
प्रकाशक – नवनालन्दा महाविहार, नालन्दा, 2017
२. विनयपिटक अनुवादक, महापण्डित राहुल सांकृत्यायन
प्रकाशक – सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008

पालि

पत्र संख्या - DSCC - 22

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. सञ्जापरिभासानिद्देस – पठमपरिच्छेदो –
 - रतनत्तयप्पणामो, निमित्तं, गन्थपरिमाणो, अभिधानादि,
गणसङ्केतसञ्ज, गणनियमो, गरु-लहु-सरूपानि
2. गणनियमो, यतिनियमो च

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

वुत्तोदयो –

1. अनुट्ठुभ, इन्दवजिर, उपेन्दवजिर, वसन्ततिलक,
मालिनी, सिखरनी, उपजाति, तोटक, दोधक, वंसट्ट च

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सुबोधालंकारो –

1. सुबोधालंकारस्स परिचयो
2. अलंकारस्स पमुखा नियमा

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सुबोधालंकारो –

1. यमक, अनुप्पस, रूपक, उपमा, अतिसयुत्ति, व्यतिरेक,
निदस्सन, अत्थन्तरन्यस, दीपक, दित्थन्त

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - पाठ्यग्रन्थो – वुत्तोदयो, सुबोधालंकारा

पालि

पत्र संख्या - DSCC - 23

पाठ्यक्रम विवरणम् - पाठ्यग्रन्थो - दीघनिकायपालि

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

ब्रह्मजालसुत्तं -1. सुप्पियपरिब्बाजकवत्थु। 2. सीलमत्तकं - (क) चूळसीलं, (ख) मज्झिमसीलं, (ग) महासीलं। 3. मिच्छादिद्विद्वानानि। 4. दिद्वियो तण्हागतानं विप्फन्दितमेवा। 5. दिद्वियो फस्सपच्चया नेतं ठानं विज्जति। 6. दिद्विगतिकसंसारवट्टं। 7. दिद्विजालं

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

कूटदन्तसुत्तं -(1) खाणुमतकब्राह्मणेहि कूटदन्तस्स सल्लापो।(2) तिविधं यञ्जसम्पदं सोळसपरिक्खारं (3)सप्पितेलादिनायञ्जदिद्वानं। (4)महानिसंसतरा यञ्जा।(5) कूटदन्तस्स उपासकत्तपटिवेदना।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

लक्खणसुत्तं - 1. द्वत्तिसमहापुरिसलक्खणानि-

2. इमस्स कम्मस्स कटत्ता इदं लक्खणं -

(1) सुप्पतिद्वितपादतालक्खणं, (2) पादतलचक्कलक्खणं, (3-5) आयतपण्हितादिलक्खणं, (6) सुत्तुस्सदतालक्खणं, (7-8) करचरणमुदुजालतालक्खणानि, (9-10) उस्सङ्खपादउद्धगलोमतालक्खणानि, (11) एणिजङ्घलक्खणं, (12) सुखुमच्छविलक्खणं, (13) सुवण्णवण्णलक्खणं, (14) कोसोहितवत्थगुहलक्खणं, (15-16) परिमण्डलअनोनमजण्णुपरिमसनलक्खणानि, (17-19) सीहपुब्बद्धकायादितिलक्खणं, (20) रसग्गसग्गितालक्खणं, (21-22) अभिनीलनेत्तगोपरखुमलक्खणानि, (23) उण्हीससीसलक्खणं, (24-25) एकेकलोमताउण्णालक्खणानि, (26-27) चत्तालीसअविरळदन्तलक्खणानि, (28-29) पहूतजिह्वाब्बह्मस्सरलक्खणानि, (30) सीहहनुलक्खणं, (31-32) समदन्तसुसुक्कदाठालक्खणानि

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सिंगालसुत्तं - 1. सिंगालको गहपतिपुत्तो। 2. एवं छ दिसा नमस्सितब्बा। 3. अमित्ता मित्तपतिरूपका वेदितब्बा। 4. मित्त सुहदा वेदितब्बा। 5. छ दिसापटिच्छादनं

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - दीघनिकायपालि

बौद्धदर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 20
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. बुद्धवचनानां वर्गीकरणम्। 2. सौत्रान्तिकनिकायस्य प्रादुर्भावो विकासश्च।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. प्रथमा संगीतिः। 2. द्वितीया संगीतिः।
3. अष्टादश बौद्धनिकायाः। 4. तृतीया संगीतिः 5. चतुर्थी संगीतिः।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. बुद्धवचनानां नेयार्थ-नीतार्थता। 2. पुद्गलविचारः
3. प्रतीत्यसमुत्पादः। 4. बाह्यार्थविमर्शः।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. क्षणभङ्गविमर्शः 2. शब्दार्थसम्बन्धविमर्शः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - सौत्रान्तिकदर्शनम्, ग्रन्थकारः प्रो. रामशंकरत्रिपाठी,
प्रकाशक - केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थानम्, सारनाथ, वाराणसी, 1990

बौद्धदर्शनम्
पत्र संख्या - DSCC - 21
पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

इन्द्रियार्थाधिपत्यम्, सास्रवानास्रवेन्द्रियाणि, विपाकाविपाकेन्द्रियाणि,

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

कुशलाकुशलाव्याकृतेन्द्रियाणि, दर्शनभावनादेयाहेयानि इन्द्रियाणि, इन्द्रियविपाकः,
इन्द्रियनिरोधः, श्रामण्यफलप्राप्तिकाले इन्द्रियाणि

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सहोत्पानियमः, चैतसिकविभागः, महाभूमिकाः चैत्ताः, कुशलमहाभूमिकाः चैत्ताः,
क्लेशमहाभूमिकाः चैत्ताः, अकुशलमहाभूमिकाः चैत्ताः, परीत्तक्लेशमहाभूमिकाः चैत्ताश्च।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

चित्तविप्रयुक्तसंस्काराः, सभागता, समापत्तिविचारः, जीवितम्, लक्षणानि,
नामकायादयः, हेतुचर्चा, प्रत्ययविमर्शश्च।

- पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - 1. आचार्यसुबनधुविरचितम् अभिधर्मकोशम् (द्वितीयकोशस्थानम्)
सम्पादक – द्वारिकादास शास्त्री, प्रकाशक – बौद्धभारती, वाराणसी, 2008
2. आचार्यवसुबन्धु- प्रणीतः अभिधर्मकोशः, महापंडित-राहुल-सांकृत्यायन
नालन्दिकाभिधया टीकया परिशिष्टादिना च सहितः, सम्पादक – संघसेन सिंहः,
प्रकाशक – राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नव देहली, 2012

बौद्धदर्शनम्

पत्र संख्या - DSCC - 22

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. पुब्बजातिकथा। 2. पूरणकस्सपेन मिलिन्दस्स समागमो। 3. मक्खलिगोसालेन मिलिन्दस्य समागमो।
4. आयस्मता अस्सगुत्तेन भिक्खुसंघो संनिपातितो। 5. महासेन देवपुत्तं इधागमनाय याचेसि। 6. रोहणस्स दण्डकम्मं। 7. नागसेनस्स दहरकालो। 8. रोहणेन नागसेनस्स समागमो। 9. नागसेनस्स पब्बज्जा।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. नागसेनस्स दण्डकम्मं धम्मदेसना चा। 2. नागसेनस्स पाटलिपुत्तगमनं अरहन्तभावो चा।
3. आयुपालेन मिलिन्दस्य समागमो। 4. नागसेनेन मिलिन्दस्स पठमसमागमो।
5. रथूपमाय अनत्तवाददीपनं। 6. वस्सगणनपञ्जो।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. पण्डितावादो राजवादे चा। 2. अनन्तकायस्स उपासकत्तं। 3. किमत्था पब्बज्जा।
4. को न पटिसंदहति। 5. मनसिकारलक्खणं। 6. पञ्जाय लक्खणं।
7. कुसला धम्मा। 8. न च सो, न चअञ्जो। 9. जातिक्खयजाणं।
10. जाणं च पञ्जा चा। 11. कायिका चेतसिका च वेदना। 12. को पटिसन्दहति।
13. ननु नागसेनो परिसन्दहिस्सति।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

1. कतमं नामं रूपं च। 2. तयो अद्धा। 3. अविज्जामूलका के।
4. पुरिमा कोटि न पञ्जायति। 5. कतमा पुरिमा कोटि।
6. सङ्खारानं उप्पादो निरोधो च। 7. भवन्ता येव सङ्खारा जायन्ति।
8. न हेत्थ वेदगू उपलब्धति। 9. पठमं चक्खुविज्जाणं, पच्छा मनोविजाणं।
10. फस्सपमुखा धम्मा। 11. चेतसिका धम्मा एकभावगता।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - १. धम्मपदपालि एवं मिलिन्दपञ्जो (पठमदुतिया परिच्छेदा)।

प्रकाशक - पालि-अध्ययन-केन्द्रम्, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, लखनऊ-परिसरः, 2020

२. मिलिन्दपञ्जपालि, सम्पादकः - स्वामी द्वारिकादासशास्त्री,

प्रकाशक - बौद्धभारती, वाराणसी, 2006

बौद्धदर्शनम्

पत्र संख्या - DSCC - 23

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
1. त्रिंशिकाविज्ञप्तिमात्रतासिद्धिप्रकरणस्य प्रयोजनम्।	2. विज्ञानवादिदृष्ट्य पुद्गलनैरात्म्यम्।		
3. विज्ञप्तिमात्रतादृष्ट्य धर्मनैरात्म्यम्।	4. माध्यमकिदृष्ट्या पुद्गलनैरात्म्यम्।		
5. शून्यवादीनां मतानुसारं धर्मनैरात्म्यम्।			
भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
1. विज्ञानपरिणामे आत्मधर्मोपचारः।	2. विज्ञानपरिणामस्य भेदः।	3. आलयविज्ञानम्।	
4. स्पर्शमनस्कारवित्संज्ञाचेतनानां लक्षणम्।			
भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
1. क्लिष्टमनोविज्ञानम्।	2. द्विप्रकाराः चैत्ताः।		
3. कुशलाकुशलाव्याकृताः के	4. पञ्च विनियताः चैतसिकास्तेषां च लक्षणानि।		
5. एकादश कुशलचैतसिकास्तेषां च लक्षणानि।			
6. षट् क्लेशचैतसिकास्तेषां च लक्षणानि।			
7. विंशतिः उपक्लेशचैतसिकास्तेषां च लक्षणानि।			
भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
1. चत्वारः अनियता अन्यथाप्रवृत्ताः वा चैतसिकाः।	2. षड् विज्ञानानि।		
3. किं मनोविज्ञानं चक्षुरादिविज्ञानैः सह प्रवर्तते, विना वाः उत नैव			
4. समापत्तिद्वयनिरूपणम्।	5. विज्ञप्तिमात्रे प्रतिसन्धानव्यवस्था।		
6. लक्षणत्रयं स्वभावत्रयञ्च।			

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - १. आचार्यवसुबन्धुप्रणीतं विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिप्रकरणद्वयम् (त्रिंशिकाविज्ञप्ति-
मात्रतासिद्धिः) प्रकाशक - सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, 1992
२. आचार्यवसुबन्धुप्रणीता विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः (त्रिंशिका विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः),
प्रकाशक - केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थानान, चोगलमसर, लेह लदाख, 1984

प्राकृतम्
पत्र संख्या - DSCC - 20
पाठ्यक्रम विवरणम्
प्राकृतकथासाहित्यम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

प्राकृतवाङ्मये कथासाहित्यस्य परिचयः वशिष्ट्यश्च सुप्रसिद्धाः कथाग्रन्थाः । प्राकृतकथानां समाजोपयोगीता । प्राकृतकथासाहित्याध्ययनस्य आवश्यकता ।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

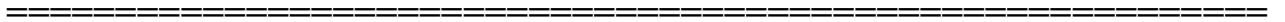
- (क) समराहच्चकटाग्रन्थस्य तत्कर्तुश्च परिचयः
- (ख) समाराहच्चकहासारस्य निर्देशः
- (ग) समराहच्चकहाग्रन्थस्य प्रथमभावस्य साहित्यिकसामाजिकसांस्कृतिकाध्ययनम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- (क) कुवलयमालाकहाग्रन्थस्य तत्कर्तुश्च परिचयः
- (ख) कुवलयमालाकथायाः सारोपदेशः
- (ग) कुवलयमालाग्रन्थस्य 1-12 अनुच्छेदानां सांस्कृतिकसाहित्यिकबौधिकविज्ञापनम्

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- (क) गाणपगचमीकथाग्रन्थस्य तत्कर्तुश्च परिचयः
- (ख) गाणपंचमीकथायाः सारः तत्समाजोपयोगीता च
- (ग) गाणपंचमीकथायाः भाषिकसांस्कृतिकाध्ययनम्



प्राकृतम्
पत्र संख्या - DSCC - 21
पाठ्यक्रम विवरणम्
प्राकृतस्यपाण्डुलिपिशिलालेखाः

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

पाण्डुलिपिः तन्महत्त्वञ्च, प्राकृतपाण्डुलिपिग्रन्थानां वर्गिकरणम्, प्राप्तिस्थलाश्च ।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- (क) पाण्डुलिपिसंरक्षणोपायाः
(ख) प्राकृतपाण्डुलिपीनां संरक्षणं साम्पादनाञ्च

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- (क) शिलालेखाः तन्महत्त्वञ्च ।
(ख) प्राकृतशिलालेखानां प्राचीनता ।
(ग) समुपलब्ध शिलालेखानां परिचयः ।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सुप्रसिद्धाः प्राकृतशिलालेखाः

- (क) सम्राटअशोकस्य गिरनारशिलालेखः
(ख) सम्राजः खारवेलस्य हाथीगुम्फाशिलालेखः
(ग) कक्कुटघटियालशिलालेखः ।

प्राकृतम्
पत्र संख्या - DSCC - 22
पाठ्यक्रम विवरणम्
प्राकृतदार्शनिकतत्त्वानि

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

जैनदार्शनिकपृष्ठभूमीः, भारतीयदर्शनसम्प्रदायेषु जैनदर्शनसम्प्रदायः, प्रमुखा जैनदार्शनिकसिद्धान्ताः, तेषां समाजोपयोगीत्वञ्च ।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

ज्ञानतत्त्वप्रत्यपनम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

ज्ञेयतत्त्वतत्त्वप्रज्ञापनम्

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

आचरणतत्त्वप्रज्ञापनम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - पवयणसारो आहण्यकुंडकुंडविरहओ

प्राकृतम्
पत्र संख्या - DSCC - 23
पाठ्यक्रम विवरणम्
श्रमणधर्ममीमांसा

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

समणधर्मस्य तात्पर्यम् तदधिगमविचारः मंगलसूत्राणि, णमोकारमंत्रः तन्महत्त्वञ्च, चत्वारि मंगलोत्तमशरणानि । ओंकारस्य बीजाक्षस्त्वज्ञापनम्, चतुर्विंशतितीर्थकरस्तुतिः । जिनशासनस्य आगमसंज्ञा मूलध्येयञ्च । जैनपरम्परायां संघस्यावधारणा औचित्यञ्च संघनिष्ठायाः लाभकारित्वं भद्रत्वं च । आगमनिरूपणसूत्राणि, निरूपणभेदाः प्रमाणनयनिक्षेपपरिभाषणम् । मूलनयौ निश्चयव्यवहारौ द्रव्यार्थिक-पर्यायार्थिकौ च । संसारः तत्र परिभ्रमणताकणानि - कर्मबंधनः संसारी ।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

आत्मनः समुन्नति सूत्राणि, अहिंसासूत्राणि, अपरिग्रहसूत्राणि, अप्रमादसूत्राणि, संयमसूत्राणि, धम्यसूत्राणि शिक्षसूत्राणि च ।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

संसमसूत्राणि – श्रमणधर्मे संयमस्यावश्यकता इन्द्रियसंयमसूत्राणि, प्राणिसंयमसूत्राणी, गोपुरुषार्थे संयमसोपयोगिताऽपरिहार्यता च । सनेतिगुप्तिसूत्राणी- पंचसमेतयः तिस्रश्च गुप्रयः, अष्टप्रवचनमातृणां भुविजीवने विशिष्टता ।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

तपःसूत्राणि – तपश्चरणस्य स्वरूपभेदादयः,
षड्बाह्यतपसि – अनशनावभौदर्शबृत्तिपरिसंस्थानविविक्तशैस्यासनकायक्लेशसंकाले,
षडन्तस्तपांसि प्रायश्चित विनयवैय्यवृत्यस्वाध्यायव्युत्सर्गध्यानसंतकानि ।

साहित्यम्

पत्र संख्या - DSCC - 20

पाठ्यक्रम विवरणम्

काव्यदोषाः

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

पददोषाः	० दोषसामान्यलक्षणम्	० दोषाणां वर्गीकरणम्	० श्रुतिकटुत्वम्	० च्युतसंस्कृतित्वम्
	० अप्रयुक्तत्वम्	० असमर्थत्वम्	० निहतार्थत्वम्	० निरर्थकत्वम्
	० अश्लीलत्वम्	० अप्रतीतत्वम्	० ग्राम्यत्वम्	० नेयार्थत्वम्
	० अविमृष्टविधेयांशत्वम्			

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

वाक्यदोषाः	० प्रतिकूलवर्णत्वम्	० विसन्धित्वम्	० हतवृत्तत्वम्
	० न्यूनपदत्वम्	० अधिकपदत्वम्	० कथितपदत्वम्
	० पतत्प्रकर्षत्वम्	० समाप्तपुनरात्तत्वम्	० प्रसिद्धिहतत्वम्
	० भग्नप्रक्रमत्वम्	० अक्रमत्वम्	

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

अर्थदोषाः	० अपुष्टत्वम्	० कष्टत्वम्	० व्याहतत्वम्	० पुनरुक्तत्वम्
	० दुष्क्रमत्वम्	० सन्दिग्धत्वम्	० निर्हेतुत्वम्	० अनवीकृतत्वम्
	० साकाङ्क्षत्वम्	० विध्ययुक्तत्वम्	० अनुवादायुक्तत्वम्	

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

रसदोषाः	० रसस्थायिसञ्चारिणां स्वशब्दवाच्यत्वम्	० अनुभावविभावयोः कष्टकल्पनया व्यक्तिः	
	० प्रतिकूलविभावादि-परिग्रहः	० पुनःपुनः दीप्तिः	० अकाण्डे प्रथनम्
	० अकाण्डे छेदः	० अङ्गस्य अतिविस्तृतिः	० अङ्गिनः अननुसन्धानम्
	० प्रकृतिविपर्ययः	० अनङ्गस्याभिधानम्	० रसदोषपरिहारोपायाः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - १. काव्यप्रकाशः (सप्तमोल्लासः)

सहायकग्रन्थाः - १. साहित्यदर्पणः - आचार्यविश्वनाथकृतः

२. काव्यतत्त्वालोकः - सुज्ञानकुमारमाहान्तिः,

राष्ट्रीयसंस्कृतविद्यापीठम्, तिरुपतिः, आन्ध्रप्रदेशः, प्र.व. २०१०

साहित्यम्

पत्र संख्या - DSCC - 21

पाठ्यक्रम विवरणम्

वक्रोक्तिसिद्धान्तः

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

आचार्यकुन्तकस्य वक्रोक्तिजीवितस्य च परिचयः

- 0 आचार्यकुन्तकस्य देशकालादिविचारः
- 0 काव्यशास्त्रे वक्रोक्तिजीवितस्य स्थानम्
- 0 मङ्गलाचरणम्
- 0 अभिधानाभिधेय-प्रयोजनम्
- 0 काव्यतत्त्वम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

शब्दार्थस्वरूपं काव्यलक्षणादिश्च

- 0 काव्यलक्षणम्
- 0 काव्ये शब्दस्वरूपम्
- 0 काव्ये अर्थस्वरूपम्
- 0 शब्दार्थसाहित्यम्
- 0 वक्रोक्तेरेव अलङ्कारत्वम्
- 0 स्वभावोक्तेः अलङ्कारत्वखण्डनम्
- 0 साहित्यपदार्थः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

कविव्यापारवक्रताप्रकाराः

- 0 वर्णविन्यासवक्रता
- 0 पदपूर्वार्धवक्रता
- 0 प्रत्ययाश्रितवक्रता
- 0 वाक्यवक्रता
- 0 प्रबन्धवक्रता
- 0 काव्यबन्धः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

काव्यमार्गाः

- 0 सुकुमारमार्गः तद्गुणाश्च
- 0 प्रतीयमानवस्तु
- 0 लावण्यभेदः
- 0 विचित्रमार्गः तद्गुणाश्च
- 0 मध्यममार्गः तद्गुणाश्च
- 0 औचित्यम्
- 0 सौभाग्यम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - १. वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथमोन्मेषः)

सहायकग्रन्थाः -

१. संस्कृतकाव्यशास्त्रेतिहासः (डा. जगदीशचन्द्रमिश्रः)

२. Vakrokti Jivita by Rajanaka Kuntaka

(with Commentary) Translated by Sushil Kumar Dey

३. Vakrokti Jivita by Rajanaka Kuntaka

(with Commentary) Translated by K. Krishnamurthy

साहित्यम्

पत्र संख्या - DSCC - 22

पाठ्यक्रम विवरणम्

भावविचारः

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

भावध्वनिपरिचयः

- | | |
|----------------------------------------------|----------------------------|
| 0 ग्रन्थकारस्य (पण्डितराज-जगन्नाथस्य) परिचयः | 0 रसगङ्गाधरस्य वैशिष्ट्यम् |
| 0 भावध्वनिनिरूपणम् | 0 भावलक्षणम् |

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- | | | | |
|-----------------------------------|------------|------------|------------|
| हर्षाद्यमर्षान्ताः व्यभिचारिभावाः | 0 हर्षः, | 0 स्मृतिः, | 0 व्रीडा, |
| 0 मोहः, | 0 धृतिः, | 0 शङ्का, | 0 दैन्यम्, |
| 0 चिन्ता, | 0 मदः, | 0 श्रमः, | 0 निद्रा, |
| 0 मतिः, | 0 व्याधिः, | 0 त्रासः, | 0 सुप्तम्, |
| 0 अमर्षः | | | 0 विबोधः, |

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- | | | |
|-------------------------------------------|------------|---------------|
| अवहित्थाद्या निर्वेदान्ताः व्यभिचारिभावाः | 0 उन्मादः, | 0 मरणम् |
| 0 वितर्कः, | 0 विषादः, | 0 औत्सुक्यम्, |
| 0 आलस्यम्, | 0 असूया, | 0 अपस्मारः, |
| 0 व्यभिचारिणां संख्यानियमः | 0 चपलता, | 0 निर्वेदः, |

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- | | | | |
|------------|------------|--------------|---------------|
| रसाभासादयः | 0 रसाभासः, | 0 भावाभासः, | 0 भावशान्तिः, |
| | 0 भावोदयः, | 0 भावसन्धिः, | 0 भावशबलता |

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - १. रसगङ्गाधरः (प्रथमानने भावनिरूपणम्)

सहायकग्रन्थाः - १. साहित्यदर्पणः (तृतीयः परिच्छेदः)

२. नाट्यशास्त्रम् (सप्तमाध्यायः)

साहित्यम्

पत्र संख्या - DSCC - 23

पाठ्यक्रम विवरणम्

पद्यकाव्यम् - नैषधीयचरितम् (प्रथमः सर्गः)

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

कवेः परिचयः, नैषधमहाकाव्यस्य वैशिष्ट्यम्	0	महाकाव्यस्य लक्षणम्	
0 श्रीहर्षस्य व्यक्तित्वं कर्तृत्वञ्च	0	नैषधमहाकाव्यस्य वैशिष्ट्यम्	
0 'नैषधे पदलालित्यम्'	0	नैषधं विद्वदौषधम्	

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

नलस्य वर्णनम्	0	नलस्य सौन्दर्यवर्णनम्	
	0	धीरोदात्तगुणान्वितनलस्य चारित्रिकी गुणावली	
	0	नलस्य प्रतापवर्णनं माहात्म्यञ्च	
	0	अश्ववर्णनम्	

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

भैमीमनोभिलाषः, नलस्य भैम्यामनुरागः			
0 कथाप्रसङ्गेषु नलं विश्रुत्य दमयन्त्याः आकर्षणम्			
0 लोके दमयन्तीनलयोः समानगुणवैशिष्ट्यस्य समानरूपसौन्दर्यस्य च परिचर्चा ।			

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

नलस्य विरहः, हंसवृत्तान्तः	0	नलस्योद्यानगमनम्	
0 उद्यानविहारः सरोवरस्य दर्शनञ्च	0	सरोवरस्य तटे राजहंसस्य विलापः	
0 द्रवीभूतेन नलेन सौन्दर्यदर्शनान्तरं विमुक्तः हंसः।			

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

नैषधीयचरितम्, (श्रीहर्षकृतम्) प्रथमसर्गः

सहायकग्रन्थाः-

महाकाव्ये नैषधीयचरितम् का मूल्याङ्कन

(हरिवीर सिंह बघेल), वाई.के. पब्लिशर्स, आगरा ।